Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In Mar 2018

नैनो मैटीरियल एंड माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स की विकास में अहम भूमिका : प्रो अग्रवाल

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीईक्यूआईपी-3) की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला बुधवार को संपन्न हुई। इस अवसर पर वाईएमसीए यूनिवर्सिटीड ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी फरीदाबाद के प्रो. दिनेश अग्रवाल कहा कि नैनो मेटिरियल एंड माइक्रो इलेक्ट्रोनिक्स मानवता व देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही है। नैनो मेटिरियल एंड माइक्रो इलेक्ट्रोनिक्स किसी न किसी रूप में हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में नैनो मेटिरियल एंड माइक्रो इलेक्ट्रोनिक्स के कारण क्रांतिकारी परिणाम आ रहे हैं। अंतर विषयक शोध समय की मांग है। शोध करते समय संबंधित विषयों को ध्यान में रखते हुए शोध करना चाहिए। ग्लोबलाइजेशन की वजह से विश्व में बहुत सारे परिवर्तन हुए हैं। युवा उपभोक्ता बड़ी मात्रा में टेक्नोलॉजी की मदद से अपनी जरूरत की चीजों को खरीद रहे हैं।

राष्ट्रीय कार्यशाला प्रतिभागियों को सम्मानित करते प्रो. दिनेश अग्रवाल व अन्य।

जेएनयू दिल्ली के प्रो. करमेशु ने कहा कि दुनिया को गणित तकनीक व विज्ञान का ज्ञान देने वाला भारत ही है। उन्होंने कहा कि मैथेमेटिकल मोडलिंग हर क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। हर छात्र को शोध करने की आदत होनी चाहिए क्योंकि समय के साथ ज्ञान के अपने मायने बदलते रहते हैं। इसलिए हमें किताबों और विश्वभर में हो रहे शोधकार्यों को पढ़ते रहना चाहिए।

समन्वयक प्रो. धर्मेंद्र कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. अंबरीश पांडे ने बताया कि कार्यशाला में 100 से अधिक शिक्षकों व शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी से 10 शिक्षकों ने भाग लिया।

अमर उजाला - 1/3/18

प्रपोजल तैयार | पिछली बार से दोगुने विदेशी स्टूडेंट्स ने लिया दाखिला, विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी सुविधाओं पर दिया जोर

जीजेयू में विदेशी स्टूडेंट्स के लिए बनेगा इंटरनेशनल हॉस्टल

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में विदेशी स्टूडेंट के लिए इंटरनेशनल हॉस्टल बनाया जाएगा। विवि प्रशासन की ओर से इंटरनेशनल हॉस्टल बनाने के लिए प्रपोजल तैयार किया गया है। विवि में मौजूदा समय में गर्ल्स ओर ब्वॉयज के लिए आठ हॉस्टल बने हुए हैं। जिनमें 3 हजार के करीब स्टूडेंट रहते हैं। इनमें चार हॉस्टल ब्वॉयज के लिए ओर चार हॉस्टल गर्ल्स के लिए बनाए गए हैं। विवि की ओर से इस सत्र से विदेशी छात्रों के लिए पीएचडी में एडमिशन शुरू किए जाने पर पिछले वर्ष से दोगुनी संख्या में विदेशी छात्रों ने दाखिला लिया है।

विदेशी छात्रों के विवि में दाखिले के लिए विवि की ओर से ऑनलाइन मार्केटिंग के साथ गवर्नमेंट बॉडी की ओर से भी विदेशी छात्रों को दाखिले के लिए आकर्षित किया जा रहा है। एचएयू की तरह इंटरनेशनल हॉस्टल बनाए जाने से विदेशी छात्रों की संख्या में भी इजाफा होने की संभावना विवि प्रशासन ने जताई है।

इस कारण बनाया जाएगा हॉस्टल

विवि में इंटरनेशनल स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ाने, विदेशी छात्रों को उनके देश की तरह माहौल उपलब्ध करवाने व उनके खाने के उचित प्रबंध के लिए इंटरनेशनल हॉस्टल का निर्माण करने का फैसला विवि प्रशासन ने लिया है।

फिलहाल जीजेयू में पढ़ रहे हैं 24 विदेशी छात्र

जीजेयू में मौजूदा समय में 24 विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं। इनमें से 16 छात्रों ने इसी सत्र में पीएचडी में दाखिला लिया है। जबकि 8 विदेशी छात्रों ने पिछले वर्ष ग्रेजुएशन कोर्सेज में दाखिला लिया था। इस वर्ष पीएचडी में दाखिला लेने वाले सभी छात्र इथोपिया से हैं। वहीं पिछले वर्ष जीजेयू में ईरान, युगांडा के छात्रों ने दाखिल लिया था।

फैकल्टी हाउस में ठहराए गए हैं छात्र

मौजूदा समय में विश्वविद्यालय के अन्य हॉस्टलों में रूम उपलब्ध न होने के कारण पीएचडी में प्रवेश लेने वाले छात्रों को फैकल्टी हाउस में ठहराया गया है।

नॉनवेज की समस्या का भी होगा हल

विवि प्रशासन की ओर से विदेशी छात्रों के लिए इंटरनेशनल हॉस्टल बनाने के साथ इनकी खाने की समस्या का भी हल किया जाएगा। अफ्रीकन देशों से विवि में दाखिला लेने वाले अधिकतर छात्रों को नॉनवेज की समस्या खलती है। इसके लिए विदेशी छात्र काफी बार विवि प्रशासन से नॉनवेज उपलब्ध करवाने की शिकायत भी कर चुके हैं। विदेशी स्टूडेंट की इस समस्या का भी हल किया जाएगा।

बजट फाइनल होते ही शुरू होगा निर्माण

विवि में इंटरनेशनल हॉस्टल के लिए प्रपोजल तैयार किया गया है। सरकार से अनुमति मिलने व बजट फाइनल करके इसका निर्माण किया जाएगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर - 6/3/18

गुजवि में सिखाई जाएंगी जर्मन, फ्रेंच भाषाएं

हिसार, 9 मार्च (निस)

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के सभी कोर्सों के सिलेबस 2018-19 सत्र से रिवाइज किए जायेंगे। विश्वविद्यालय अपने स्तर पर सभी कोर्सों का सिलेबस तैयार कर लागू करेगा।

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 51वीं बैठक में नए सत्र से बी.टैक इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बी.टैक सिविल इंजीनियरिंग, बीएससी स्पोर्ट्स व एक वर्षीय डिप्लोमा इन योगा कोर्स शुरू करने को मंजूरी दी गई है। शैक्षणिक परिषद की बैठक कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि शुरू किए गए नए कोर्स वर्तमान समय की मांग हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में लेंग्वेज कोर्सों में फ्रांस, जर्मन, हिन्दी व अंग्रेजी तथा लघु अवधि के कोर्सों को शुरू करने की मंजूरी भी दी गई है। विभिन्न विभागों के शोधकर्ताओं को पीएचडी डिग्री प्रदान करने के निर्णय को स्वीकृति दी गई।

हिसार में शुक्रवार को गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिषद की बैठक में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। -निस

कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने बताया कि यूजीसी कोर्सों में सुपर नुमरेरी सीटों पर विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के एक-एक बच्चे को दाखिला देने का निर्णय लिया गया है।

दैनिक ट्रिब्यून - 10-3-2018

सोच व दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाएं : प्रो. निमेश

समापन समारोह में मुख्यातिथि प्रो. निमेश जी. देशाई को सम्मानित करते सम्मेलन के समन्वयक प्रो. संदीप सिंह राणा एवं अन्य।

हिसार, 10 मार्च (स.ह.): मानव व्यवहार संस्थान और संबद्ध विज्ञान (आई.एच.बी.ए.एस.), दिल्ली के निदेशक प्रो. निमेश जी. देशाई ने कहा कि मनुष्य अपनी सोच व दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाकर ही समाज के लिए उपयोगी हो सकता है। समाज में सकारात्मक सोच के व्यक्ति के साथ सामंजस्य स्थापित करना भी आवश्यक है।

प्रो. निमेश जी. देशाई गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के साइकॉलोजी विभाग के सौजन्य से 'पॉजीटिव साइकॉलोजी फॉर हैल्थ एंड वैल बींग' विषय पर आयोजित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। एस.जी.टी. विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के प्रो. राजबीर सिंह बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता साइकॉलोजी विभाग के अध्यक्ष व सम्मेलन के समन्वयक प्रो. संदीप राणा ने की।

प्रो. निमेश जी. देशाई ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए एक चिंता का विषय है। जिसके लिए सरकारों को ठोस नीति बनाने की जरूरत है। भारत में मानसिक समस्याओं के निदान के लिए विषय विशेषज्ञों की संख्या अपेक्षा से बहुत कम है। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान से संबंधित शोध समाज तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। मुख्य वक्ता प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि एक जैसी परिस्थितियों में ही कुछ व्यक्ति मानसिक व शारीरिक समस्याओं से घिर जाते हैं और उन्हीं परिस्थितियों में रहते हुए कुछ लोग मानसिक चुनौतियों का मजबूती से सामना करते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि सफल व्यक्तियों के सोच व व्यवहार में कौन-कौन सी ऐसी बातें हैं जो उनको मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं से बचाकर रखती हैं। उन्होंने एक केस स्टडी के माध्यम से बताया कि डा. डोनाल्ड होपकिंस ने मनोवैज्ञानिक तरीकों से अफ्रीकन देशों में एवं बड़े स्तर पर पानी से फैलने वाली गीनिया वाम बीमारी का उनमोदन कर दिया। इसी तरह के तरीके मानसिक समस्याओं के निदान के लिए भी जरूरी हैं।

सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते प्रतिभागी।

हर व्यक्ति में एक विशेष योग्यता

प्रो. संदीप सिंह राणा ने कहा कि हर व्यक्ति में एक विशेष योग्यता होती है, जरूरत है उस योग्यता के विकास के लिए एक बेहतर वातावरण बनाने की। व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वह अपनी योग्यता को विकसित करे व साकारात्मक कार्यों में लगाएं। उन्होंने कहा कि शोध का समाज से जुड़ना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान डा. राकेश कुमार बहमनी व शोधार्थी एकता के द्वारा बनाया गया एक मनोवैज्ञानिक टैस्ट का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन में भारत के विभिन्न भागों के अतिरिक्त अमरीका, फ्रांस, नाईजीरिया, बंगलादेश, सिंगापुर, अफगानिस्तान, अफ्रीका आदि देशों से 450 प्रतिभागी ने भाग लिया। सम्मेलन के सचिव डा. संजय कुमार ने धन्यवाद सम्बोधन किया।

पंजाब केसरी - 11-3-2018

आविष्कारों को जन्म देने के लिए सीखें नई तकनीक

एचआरडीसी में लघु अवधि कोर्स का शुभारंभ करते प्रो . राजेश मल्होत्रा ।

गुजवि में 'एडवांस एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्निक्स' विषय पर सात दिवसीय लघु अवधि कोर्स शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा सोमवार को 'एडवांस एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्निक्स' विषय पर सात दिवसीय लघु अवधि कोर्स शुरू किया गया। कोर्स का शुभारंभ शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा ने किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। डा. अब्दुल कलाम सैंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लैब के निदेशक प्रो. देवेन्द्र कुमार कोर्स समवन्यक है। प्रो. राजेश मल्होत्रा ने कहा कि शोधार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान होना चाहिए। शोधार्थी सॉफ्टवेयर तकनीक का प्रयोग करके अपने शोध में गुणवत्ता ला सकते हैं। किसी भी तकनीक को केवल प्रमाण पत्र पाने के लिए न सीखें, बल्कि उसका प्रयोगशाला में प्रयोग करें तथा नई अविष्कारों को जन्म दें। मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि यह लघु अवधि कोर्स राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत आयोजित किए जाने वाला यह दूसरा कोर्स है। जिसमें प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रयोगशालाओं में व्यवहारिक ज्ञान दिया जाएगा। कोर्स समन्वयक प्रो. देवेन्द्र कुमार ने बताया कि कोर्स में हरियाणा तथा आस-पास के क्षेत्रों से 32 शिक्षक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं। मंच संचालन डा. अनुराग सांगवान ने किया। इस दौरान प्रो. वन्दना पूनिया व डा. संदीप कुमार भी मौजूद रहे।

दैनिक जागरण
दिनांक - 13-3-2018

जीजेयू में 300 विद्यार्थियों को पर्सनैलिटी डेवलेपमेंट सिखाया

कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थी व अन्य।

हिसार। गुजवि के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सैल की ओर से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु 5 फरवरी को शुरू हुआ और महीने भर चला उद्भावना कार्यक्रम संपन्न हो गया है। कार्यक्रम में एक-एक सप्ताह के चार बैच में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। कुल मिलाकर सभी विभागों के अंतिम व पूर्व-अंतिम वर्ष के 300 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि हिसार के प्रसिद्ध सॉफ्टस्किल प्रशिक्षकों पीएसईएल के पंकज असीजा ने प्रथम बैच, आईएमएस के डॉ. दिनेश नागपाल ने द्वितीय बैच, टाइम के पंकज चौधरी ने तीसरा बैच और यूनिक इंग्लिश लैब की ट्रेनर डॉ. शीलनिधि त्रिपाठी ने अंतिम बैच के विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास की बारीकियों से परिचित करवाया। प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

अमर उजाला
दिनांक - 14-3-2018

जीजेयू के स्टूडेंट्स पहली बार मोबाइल एप पर देंगे परीक्षा

विश्वविद्यालय ने हेलो टॉपर एप बनवाया, 21 मार्च को एप्टीट्यूट टेस्ट होगा आयोजित

पांच विद्यार्थियों को मिलेगा प्राइज

सुभाष चंद्र | हिसार

बदलते दौर में स्टडी के तरीकों में भी बदलाव लाया जा रहा है। इसी बदलाव का एक मौका जीजेयू के स्टूडेंट को मिला है। जीजेयू के स्टूडेंट्स पहली बार मोबाइल एप पर टेस्ट देते नजर आएंगे। मौका होगा 21 मार्च को होने वाले एप्टीट्यूड टेस्ट का। विवि ने मोबाइल एप बनाया है। जिसे हेलो टॉपर एप नाम दिया है। इसी एप के जरिए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डिपार्टमेंट ने जीजेयू में एप्टीट्यूड टेस्ट लेगा। इसके लिए सभी विद्यार्थियों को अपने मोबाइल पर एप डाउनलोड करनी होगी। जीजेयू में मोबाइल एप के टेस्ट व ग्रुप डिस्कशन में पहले पांच स्थानों पर रहने वाले विद्यार्थियों को प्राइज व सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे। विभाग का यह छठा एप्टीट्यूट टेस्ट है। पहले पांच टेस्ट पेपर रिटर्न में लिए गए।

यह होगा फायदा

- मोबाइल एप के जरिये टेस्ट देने में रिजल्ट तुरंत घोषित किया जा सकेगा, जिससे समय की बचत होगी।
- इससे स्टूडेंट में परीक्षाओं के प्रति इंटरेस्ट बढ़ेगा।
- कागज-पेपर की भी बचत होगी।
- विद्यार्थियों में टेक्नोलॉजी को लेकर आकर्षण बढ़ेगा।

यह होता है एप्टीट्यूड टेस्ट

विवि के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डिपार्टमेंट की ओर से विद्यार्थियों को रोजगार के लिए सक्षम बनाने के लिए एप्टीट्यूट टेस्ट आयोजित किया जाता है। इसके लिए विद्यार्थियों को इंटरव्यू स्किल्स, बिहेवियर स्किल्स सहित अंग्रेजी की ट्रेनिंग दी जाती है। जिससे स्टूडेंट्स को रोजगार पाने के लिए सक्षम बनाया जाता है।

18 मार्च तक होंगे रजिस्ट्रेशन : विवि में एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए विद्यार्थी 18 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल ने पूरे कैंपस में ब्रोशर लगाए हैं। जिसमें दिए गए वेबसाइट लिंक पर स्टूडेंट अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर एप्टीट्यूड टेस्ट में हिस्सा ले सकते हैं। हालांकि टेस्ट के लिए विद्यार्थियों के पास स्मार्टफोन और अच्छा इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।

60 अंकों की होगी परीक्षा

मोबाइल एप के जरिये आयोजित की जाने वाला यह टेस्ट 60 अंकों का होगा। टेस्ट में 60 प्रश्न दिए जाएंगे। इसमें ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा के तुरंत बाद इसका रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। परीक्षा में 300 के करीब छात्र हिस्सा लेंगे।

प्री फाइनल व फाइनल ईयर के विद्यार्थी लेंगे भाग

हेलो टॉपर मोबाइल एप पर सभी विभागों से प्री फाइनल व फाइनल ईयर के विद्यार्थियों को परीक्षा देने का मौका मिलेगा। परीक्षा चौधरी रणबीर सिंह सभागार में 11.30 बजे से 12.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। एप्टीट्यूड परीक्षा के बाद ग्रुप डिस्कशन भी होगा। जो परीक्षा के बाद 3 से 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।

ट्रायल रहा सफल

विवि में पहली बार मोबाइल एप के जरिये एप्टीटयूड टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। एप के ट्रायल के लिए ट्रायल आयोजित किया जा चुका है। जो सफल रहा है। अब इसे टेस्ट के जरिये प्रेक्टिकल तरीके से देखा जाएगा।"
-प्रताप सिंह मलिक, निदेशक, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर, दिनांक - 16-3-2

कनाडा के प्रतिनिधिमंडल ने कहा गुजवि से मिलकर शोध सांझा करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ कनाडा के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय का दौरा किया। यह टीम ओंटेरियो वेटरनरी कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ कनाडा के डीन प्रो. जेफ विचेल के नेतृत्व में आई। जिसमें डा. पवनीश मदान और डा. मौरीन शामिल थे।

मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रतिनिधि मण्डल के साथ सांझा कर अपने शोध प्रोजेक्टों की जानकारी दी। यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ कनाडा के डा. पवनीश मदान इससे पहले भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए गए सात दिवसीय ज्ञान कार्यक्रम में विदेशी शिक्षक के रूप में आ चुके हैं। प्रो. जेफ विचेल ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की टीम शोध और शैक्षणिक क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। भविष्य में वह विश्वविद्यालय के साथ शोध और शिक्षण सांझा करेंगे।

■ यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ कनाडा के प्रतिनिधिमंडल ने किया गुजवि में दौरा

हिसार। प्रो. विचेल को स्मृति चिन्ह भेंट करते डीन ।

उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को एक साथ शिक्षण एवं शोध कार्य करने का मौका मिलेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के बॉयो एंड नेनो विभाग का दौरा किया तथा प्रयोगशालाओं व सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल की। बॉयो एंड नेनो विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद छोकर ने बॉयो एंड नेनो विभाग की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर विवि शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा, डा. संजीव कुमार, डा. संदीप कुमार, डा. विवेक गुप्ता, डा. आर बास्कर आदि मौजूद थे।

हरिभूमि - 17/3/17

पानीपत की डीसी सुमेधा सहित सात को मिला प्राइड ऑफ यूनिवर्सिटी अवॉर्ड

गुजवि के रणबीर सिंह ऑडोटोरियम में हुआ पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन आयोजित

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

एलुमनायी रिलेशंस डिपार्टमेंट ने गुजवि के रणवीर सिंह ऑडिटोरियम में शनिवार को पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें पानीपत की डीसी सुमेधा कटारिया पूर्व छात्र के तौर पर शामिल हुई। यूनिवर्सिटी की ओर से सुमेधा कटारिया, सोनल दहिया, प्रशांत गौड़ , एसडी अत्री, रमेश कुमार को यूनिवर्सिटी प्राइड अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मौजूद रहे। कहा कि पूर्व विद्यार्थी किसी संस्थान की पहचान होते हैं। जो संस्थान विद्यार्थी काल में उन्हें देता है वह बाद में समाज, राष्ट्र व संस्थान को देने का दायित्व विद्यार्थी का होता है। इस अवसर पर उपायुक्त पानीपत, सुमेधा कटारिया समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रही। सम्मेलन की अध्यक्षता एलुमनाई रिलेशंस अधिष्ठाता प्रो. कुलदीप बंसल ने की। मंच संचालन डॉ. तरुणा ने किया। इस अवसर पर फिजिक्स विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

डीसी कटारिया ने कहा कि यह यूनिवर्सिटी पर्यावरणविद गुरु जंभेश्वर के नाम पर है। हमें यहां पर्यावरण के लिए काम करना चाहिए। पूरे कैंपस को साइकिल जोन बनाना चाहिए। जिसमें गेट से ही साइकिल मिले। गेट से निकलने पर साइकिल को यहां छोड़कर जाएं। एक दिन कार फ्री डे घोषित किया जाए।

पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में पूर्व विद्यार्थियों को 'प्राइड ऑफ यूनिवर्सिटी' अवॉर्ड से सम्मानित करते।

सम्मानित करते कुलपति टंकेश्वर कुमार।

अपने-अपने क्षेत्र में विशेष कार्य करने पर मिला प्राइड ऑफ यूनिवर्सिटी अवॉर्ड

अपने-अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले पूर्व विद्यार्थी पानीपत की डीसी सुमेधा कटारिया, डॉ. एसडी अत्री, रमेश पंवार, जागृति, सोनल दहिया, सुनीता सेतिया व प्रशांत गौड़ को 'प्राइड ऑफ यूनिवर्सिटी' अवॉर्ड से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एलुमनायी रिलेशंस विभाग वर्ष 2016 में शुरू किया गया। यह विभाग जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक मद्द भी उपलब्ध करवाता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पानीपत उपायुक्त सुमेधा कटारिया ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पढ़ाई के साथ जुड़ा रहना चाहिए, क्योंकि पढ़ाई से हमें ऊर्जा मिलती है। एलुमनायी रिलेशंस अधिष्ठाता प्रो. कुलदीप बंसल ने स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पूर्व विद्यार्थी एसोसिएशन में 360 विद्यार्थियों द्वारा पंजीकरण करवाया जा चुका है। आज के इस सम्मेलन में 180 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान एलुमनायी एसोसिएशन के लिए पदाधिकारी का चयन किया गया तथा कार्यकारिणी परिषद के सदस्यों को नियुक्त किया गया। सम्मेलन के संयुक्त सचिव एलुमनाई ऐसोसिएशन डॉ. अंजन कुमार बराल ने धन्यवाद संबोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, कर्मचारी, अधिकारी व छात्र उपस्थित थे।

अमर उजाला - 18/3/18

शोध तकनीक में हो रहा तेजी से बदलाव : प्रो. टंकेश्वर

डाटा एनालिटीकल टैक्नीक्स विषय पर 7 दिवसीय लघु अवधि कोर्स शुरू

उद्घाटन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार, 19 मार्च (स.ह.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोध तकनीक में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे है। शोधार्थियों को इन बदलावों के साथ अपडेट होना पड़ेगा, तभी वे अपने शोध को उच्चस्तरीय व गुणवत्तापरक बना पाएंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार मानव संसाधन विकास केन्द्र के सौजन्य से रिसर्च मैथडोलॉजी/डाटा एनालिटीकल टैक्नीक्स इन साईंस एंड इंजीनियरिंग विषय पर शुरू हुए 7 दिवसीय लघु अवधि कोर्स के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सैमीनार हाल-3 में हुए उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। यह कोर्स राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान द्वारा प्रायोजित है। मंच संचालन डा. अनुराग सांगवान ने किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोध समाज तथा उद्योगों के लिए उपयोगी होना चाहिए। तकनीक परिस्थितियां तथा भौगोलिक आधार पर मनुष्य का स्वभाव कैसे बदलता है। इस प्रकार की शोध की भी वर्तमान में आवश्यकता है। शोधार्थियों को इस दिशा में काम करना चाहिए।

प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि कोर्स के दौरान शोध विधि में आ रहे निरंतर बदलावों से प्रतिभागियों को रू-ब-रू करवाया जाएगा। कैसे वे अपने शोधपत्र को उच्चस्तरीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को शोध के दौरान प्रयोग होने वाले साफ्टवेयर तथा तकनीकों का व्यवहारिक ज्ञान विशेष विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा। कोर्स समन्वयक डा. कपिल कुमार ने बताया कि प्रतिभागियों को गुणवत्ता आधारित शोधपत्र, शोध प्रस्ताव तथा शोध के लिए फंडिंग एजेंसियों के बारे में भी अवगत करवाया जाएगा। इस दौरान शोध थिसिज लिखने की कला भी समझाई जाएगी।

पंजाब केसरी - 20/3/18

शोधार्थियों को रहना होगा अपडेट

जासं, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोध तकनीक में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे है। शोधार्थियों को इन बदलावों के साथ अपडेट होना पड़ेगा, तभी वे अपने शोध को उच्चस्तरीय व गुणवत्तापरक बना पाएंगे। प्रो. टंकेश्वर कुमार मानव संसाधन विकास केन्द्र के सौजन्य से रिसर्च मेथडोलॉजी/डाटा एनालिटीकल टेक्नीक्स इन साइंस एंड इंजीनियरिंग विषय पर शुरू हुए सात दिवसीय लघु अवधि कोर्स के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

यह कोर्स राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान द्वारा प्रायोजित है। मंच संचालन डा. अनुराग सांगवान ने किया। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमीनार हाल-तीन में हुए शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। उन्होंने बताया कि कोर्स के दौरान, प्रतिभागी कैसे अपने शोधपत्र को उच्चस्तरीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित करवा सकते हैं, के बारे में बताया जाएगा। कोर्स समन्वयक डा. कपिल कुमार ने बताया कि प्रतिभागियों को गुणवत्ता आधारित शोधपत्र, शोध प्रस्ताव तथा शोध के लिए फंडिंग एजेंसियों के बारे में भी अवगत करवाया जाएगा।

दैनिक जागरण -

सुविधा मानव संसाधन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने की घोषणा, नए कोर्स शुरू करने की छूट

जीजेयू देश के 60 स्वायत्तता वाले संस्थानों में शामिल

भास्कर न्यूज | हिसार

गुरु जम्भेश्वर साइंस एवं प्रौद्योगिक विव देश के उन 60 शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है, जिनको विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विभिन्न मामलों में स्वायत्तता प्रदान की है। वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि जीजेयू यह उपलब्धि हासिल करने वाला प्रदेश का दूसरा विश्वविद्यालय है। उत्तर भारत क्षेत्र में ऐसे नौ विव हैं। मानव संसाधन मंत्री ने घोषणा की है कि यूजीसी ने भारत के 60 उच्च शिक्षण संस्थानों को एच-इंडेक्स और नैक स्कोर के मूल्यांकन के आधार पर स्वायत्तता प्रदान की है। स्टेट यूनिवर्सिटी रैंक में विवि 21 नंबर पर है।

19.46 करोड़ रुपए का अनुदान मिला

जीजेयू को 2002 से लगातार 'ए' ग्रेड मिला है। पिछले 22 वर्ष में विश्वविद्यालय की कुल शोध साइटेशन 26000 से अधिक है जोकि सालाना औसतन 1200 साइटेशन से भी अधिक बनती है। प्रत्येक शिक्षक का औसतन साइटेशन 125 से अधिक है। शोध के लिए विवि के शिक्षकों को देश की सभी फंडिंग एजेंसियों से अनुदान मिला है। आठ विभागों को यूजीसी-एसएपी के तहत अनुदान मिला है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय से 6 विभागों को एफआईएसटी के तहत अनुदान मिला है। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत विश्वविद्यालय को प्रथम चरण में 19.46 करोड़ रुपए का अनुदान मिला है। विवि के मानव संसाधन विकास केन्द्र को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत एक करोड़ का अनुदान मिला है। इसके अलावा मानव संसाधन विकास केंद्र का चयन देश के 10 अग्रणी संस्थानों में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय शैक्षणिक यूनिवर्सिटी के दो फैसले, गर्भवती छात्राओं को मातृत्व अवकाश तथा सिंगल गर्ल चाइल्ड को आरक्षण को सर्वोत्तम निर्णयों में शामिल किया गया है।

नए सत्र के लिए ₹199 करोड़ का बजट प्रस्तावित

जीजेयू में कार्यकारी परिषद की 80वीं बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने किया। बैठक में बजट एस्टीमेट, एनुअल अकाऊंट, बैलेंस शीट व एनुअल रिपोर्ट अनुमोदित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। विश्वविद्यालय में 199 करोड़ रुपए का अनुमानित बजट प्रस्तावित किया गया है, जिसमें से सरकार द्वारा 50 करोड़ रुपए दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की आंतरिक आय अनुमानित 70 करोड़ रुपए प्रस्तावित की गई है।

स्वायत्तता होने के फायदे

- नया पाठ्यक्रम और कोर्स शुरू कर सकेंगे।
- कैंपस केंद्र खोल सकेंगे।
- अनुसंधान केंद्र खोल सकेंगे। विश्वविद्यालय में विदेशी संकाय लगा सकेंगे। विदेशी छात्रों को नामांकित करने। संकाय को प्रोत्साहन आधारित भत्ते प्रदान करना।

अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाना लक्ष्य

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस निर्णय से विश्वविद्यालय क्षेत्र की मांग के अनुसार नए कोर्स शुरू करेगा। अब विश्वविद्यालय अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक योगदान दे सकेगा। स्वायत्तता मिलने से विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है। हमारा लक्ष्य इस विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय पहचान देना है।

दैनिक भास्कर - 22/3/18

गुजवि में सात दिवसीय लघु अवधि कोर्स का समापन

शोधार्थी को गुणवत्तापूर्ण शोध करना चाहिए : गर्ग

- प्रो. नीरज दिलबागी बोले, ऐसे कोर्सों का शिक्षक व शोधार्थी लाभ उठाएं
- शोधार्थी बातों को समझकर शोध करें तो त्रुटियों की कभी सम्भावना नहीं बनती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा, पंजाब के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. वीके गर्ग ने कहा कि शोधार्थी को गुणवत्ता पूर्ण शोध करना चाहिए। शोधार्थी को अपने विषय से सम्बन्धित शोध के महत्वपूर्ण सिद्धांतों को जानना बहुत आवश्यक है। इसके साथ-साथ शोध कैसे, कब और क्यू किया जाए, बारे भी सोचना अत्यंत जरूरी होता है।

प्रो. वी.के. गर्ग गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के मानव संसाधन विकास केन्द्र के सौजन्य से चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमीनार हाल-3 में 'रिसर्च मैथडोलॉजी/डाटा एनालिटीकल टैक्नीक्स इन साइंस एंड इंजीनियरिंग' विषय पर चल रहे सात दिवसीय लघु अवधि कोर्स के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। मंच संचालन डा. अनुराग सांगवान ने किया।

हिसार। लघु अवधि कोर्स में भाग लेने वाले प्रतिभागी को सम्मानित करते मुख्यातिथि प्रो. वीके गर्ग व निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी। फोटो : हरिभूमि

समाज व राष्ट्र के लिए लाभकारी है शोध

प्रो. गर्ग ने कहा कि शोधार्थी को शोध की अवधारण और प्रयोजन आवश्यकता, महत्व तथा क्षेत्र को समझना बहुत आवश्यक है। शोध के प्रकार, शोध की विधियां, शोध प्रक्रिया जैसे रूपरेखा, भूमिका, अध्याय, योजना तथा संदर्भिका, समस्या चयन व परिकल्पना को जानना शोधार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि शोधार्थी इन सब बातों को समझकर अपने शोध कार्यों को पूरा करता है तो उसमें त्रुटियां उत्पन होने की कभी सम्भावना नहीं बनती और वह शोध राष्ट्र व समाज के बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि डाटा संग्रहण व डाटा विश्लेक्षण शोध में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शोधार्थियों को अपने शोध में सांख्यिकीय विधियों का सही तरीके से प्रयोग करना चाहिए। इससे पूर्व प्रो. गर्ग ने डिजिटल इनेसेटिव विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत चलाए जा रहे ऐसे कोर्सों का शिक्षकों व शोधार्थियों को लाभ उठाना चाहिए। शोधार्थी को अपने शोध से सम्बन्धित आंकड़ों का संकलन, तथा संग्रह, विष्लेषण व निष्कर्ष पूर्ण से सही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अ छे शोध के लिए यह आवश्यक है कि शोध विधि तथा शोध तकनीकों का उचित प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने इस कोर्स को अत्यंत उपयोगी बताया तथा कहा कि शोधार्थियों तथा शिक्षकों को इस प्रकार के कोर्स अवश्य करने चाहिए।

32 शिक्षक व शोधार्थी हुए कार्यक्रम में शामिल

कोर्स समन्वयक डा. कपिल कुमार ने बताया कि कोर्स के दौरान प्रतिभागियों के लिए, रिसर्च मैथडोलॉजी, डाटा संग्रहण व डाटा विश्लेक्षण पर विशेष सत्र रखा गया है जो शोधार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक रहेगा। उन्होंने बताया कि कोर्स में 32 शिक्षकों व शोधार्थियों ने भाग लिया। कोर्स समन्वयक डा. अंजु सांगवान ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए बताया कि कोर्स के दौरान शोध विधि में आ रहे निरंतर बदलावों से प्रतिभागियों को रूबरू करवाया गया।

हरि भूमि — 25-3-2018

गुजवि प्लेसमैंट ड्राईव में 17 विद्यार्थी चयनित

हिसार/28 मार्च/रिपोर्टर

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राईव का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राईव का आयोजन कौर टेलीकॉम प्रोजेक्ट कम्पनी, टेलेंट पूल कॉर्पोरेशन के साथ किया गया जिसमें बीटेक इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्प्यूटर इंजीनियरिंग तथा बी.टेक इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी के फाइनल ईयर के कुल 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि कम्पनी की तरफ से केएस भाट्टी, दीपक शर्मा व कृष्ण कुमार ने ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राईव में भाग लिया। कम्पनी के अधिकारियों ने प्री-प्लेसमैंट टॉक, लिखित परीक्षा, समूह चर्चा व एचआर साक्षात्कार लिया जिसमें 17 विद्यार्थियों का चयन किया गया। सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि बीटेक इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अमित जाखड़, अंकित दलाल, दीपक, पीयूष, राहुल, राहुल यादव, राज कुमार, रूद्धा कुमार पटेल, विकास, विशाल, प्रिंस, राजीव कुमार, सौरभ, सुनील कुमार, अनुराग व अमित कुमार सहित बीटेक इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी के शुभम गुप्ता का चयन हुआ है।

नभ धोर - 29/3/18

2 state varsities get more autonomy

HT Correspondent
letterschd@hindustantimes.com

KURUKSHETR: A Kurukshetra University and Guru Jambeshwar University of Science and Technology, Hisar, are among the 21 state universities in the country granted greater autonomy by the University Grants Commission (UGC).

Stating this, Haryana education minister Ram Bilas Sharma said these universities have been given different degrees of freedom in academic and administrative decision-making.

Kurukshetra University has been ranked eighth with National Assessment and Accreditation Council (NAAC) score of 3.52 and granted grade-I autonomy.

Guru Jambeshwar University of Science and Technology has been ranked 21st with NAAC score of 3.28 and given grade-II autonomy.

The minister said out of the only two private universities, which have been awarded autonomous status, one is from Haryana—OP Jindal Global University, Sonepat, which has been ranked first among private universities with NAAC score of 3.26 and granted grade-II autonomy.

He said, "These universities have brought laurels to the state and we are proud of the efforts made by them for achieving new heights in the field of higher education". There are 799 Universities in India as per the All India Survey on Higher Education (AISHE) 2015-16, he added.

Principal secretary, higher education department, Jyoti Arora said the state government has already made accreditation from NAAC mandatory for all the institutions of higher learning and necessary directions to all the vice-chancellors and college principals have been issued. KU vice-chancellor Kailash Chandra Sharma congratulated the faculty, students, researchers and the staff on this achievement.

Hindustan Times - 22

पहल जीजेयू में नए शैक्षणिक सत्र के लिए बजट पारित, कंट्रोलर ऑफ फाइनेंस के पद के लिए भी हुआ विचार

जीजेयू में एनुअल रिपोर्ट एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार होगी तैयार, कोर्ट की मीटिंग में ₹199 करोड़ का बजट पारित

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में सभी कार्यों के बजट का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखा जाएगा। इसके लिए एचएयू की तर्ज पर विवि में कंट्रोलर ऑफ फाइनेंस के पद के लिए विचार-विमर्श किया गया।

यह फैसला जीजेयू में शुक्रवार को कोर्ट की मीटिंग में लिया गया। कार्यकारी परिषद् की मीटिंग में विवि के शैक्षणिक सत्र के 199 करोड़ के बजट पारित किया गया। कोर्ट की मीटिंग में पास कर दिया गया। इसमें विवि की इंटरनल इनकम 70 करोड़ रुपए है तथा सरकार की ओर से 50 करोड़ का बजट मिला है। बाकी बजट के लिए सरकार से डिमांड की गई है। इसके अलावा विवि में कुछ नए कोर्सेज शुरू किए जाएंगे। जिन्हें ईसी की मीटिंग में प्रस्तावित किया गया था।

डिस्टेंस एजूकेशन के छात्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी

विवि में इंटरनल रिसोर्स को बढ़ाया जाएगा। इसके तहत डिस्टेंशन एजुकेशन में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय में सेल्फ फाइनेंस कोर्सेज में टेक्निकल कोर्सज में 50 प्रतिशत हरियाणा व 50 प्रतिशत सीटों पर ऑल इंडिया कैटेगरी के तहत दाखिले लेने की बात पर विचार किया गया है।

एकेडमिक कैलेंडर जून से मई तक

जीजेयू की एनुअल रिपोर्ट अब एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार बनाई जाएगी। अब तक विवि की एनुअल रिपोर्ट सामान्य कैलेंडर जिसमें अप्रैल से मार्च महीने के अनुसार एनुअल रिपोर्ट तैयार होती थी। मगर अब विवि की एनुअल रिपोर्ट जून 2018 से मई 2019 के अनुसार बनाई जाएगी। एनुअल रिपोर्ट में विवि के बजट, शैक्षणिक गतिविधियों, इंफ्रास्ट्रक्चर, बिल्डिंग निर्माण आदि के बारे में रिपोर्ट बनाई जाती है।

कोर्ट होती है हाईएस्ट बॉडी

जीजेयू की कोर्ट विश्वविद्यालय की हाईएस्ट बॉडी है। जिसकी साल में एक बार मीटिंग होती है। इसमें 32 मेंबर हैं। जिनमें 7 सदस्य स्टेट के अन्य शिक्षण संस्थानों से होते हैं। पिछले साल भी कोर्ट की मीटिंग 30 मार्च को हुई थी। कोर्ट मीटिंग में बजट, एनुअल रिपोर्ट व नई व्यवस्थाएं लागू करने के लिए विचार-विमर्श होता है। कोर्ट की मीटिंग में लिए गए फैसले फाइनल होते हैं। इन्हें सामान्य तौर पर बदला नहीं जाता।

199 करोड़ के बजट हुआ पारित

कोर्ट की मीटिंग में कंट्रोलर ऑफ फाइनेंस के पद के लिए विचार किया गया। इसके बारे में ईसी की मीटिंग में फैसला लिया जाएगा। विवि में डिस्टेंस एजुकेशन में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने तथा अन्य मामलों पर विचार हुआ। विवि के 199 करोड़ के बजट को पारित किया गया है।" टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर - 31/3/18